UP Board Class 8 Science Important Questions Chapter 8 किशोरावस्था

प्रश्न 1 किशोरावस्था को परिभाषित कीजिए।

उत्तर- जीवनकाल की वह अवधि जब शरीर म.ऐसे पर वतन होते ह जिनके पर णाम प जनन पर प ता आती है, किशोराव था कहलाती है। यह लगभग 11 से 18 या 19 वष तक रहती है।

प्रश्न 2 ऋतुस्राव क्या है? वर्णन कीजिए।

उत्तर- यों म यौवनारंभ पर अंडाणु पर प होने लगते ह। अंडाशयों म एक अंडाणु पर प होता है तथा लगभग 28-30 दिनों के अंतराल पर किसी एक अंडाशय ा रा निम चित होता है। इस अवधि म गभाशय की दीवार मोटी हो जाती है जिसे वह अंडाणु के निषेचन के पा त् यु नज को हण कर सके, जिसके फल प गभधारण होता है। यदि अंडाणु का निषेचन नहीं होता तो अंडाणु तथा गभाशय का मोटा र उसकी धिर वाहिकाओं सहित नि र त हो जाता है। इससे यों म र ा व होता है, जिसे ऋतु ा व या रजोधम कहते ह।

प्रश्न 3 ऐडम्स ऐपल का वर्णन करें

उत्तर- किशोराव था म लड़कों का रयं विकसित होकर अपे कृत बड़ा हो जाता है। लड़कों म बड़ा होकर रयं गले के सामने की ओर सु उभरे भाग के प म दिखाई देता है, जिसे ऐड ऐपॅल (कंठमणि) कहते ह।

प्रश्न 4 गर्भस्थ शिशु में लिंग निर्धारण कैसे किया जाता है?

उत्तर- यु क (अंडाणु तथा शु ाणु) म गुणसू ूं का एक जोड़ा होता है। अंडाणु म सदा एक X गुणसू होता है, परंतु शु ाणु दो कार के होते ह-X तथा Y गुणसू ूं वाले। जब X गुणसू वाला शु ाणु अंडाणु को निषेचित करता है तो मादा शिशु म विकसित होता है और जब Y गुणसू वाला शु ाणु अंडाणु को निषेचित करता है तो नर शिशु विकसित होता है।

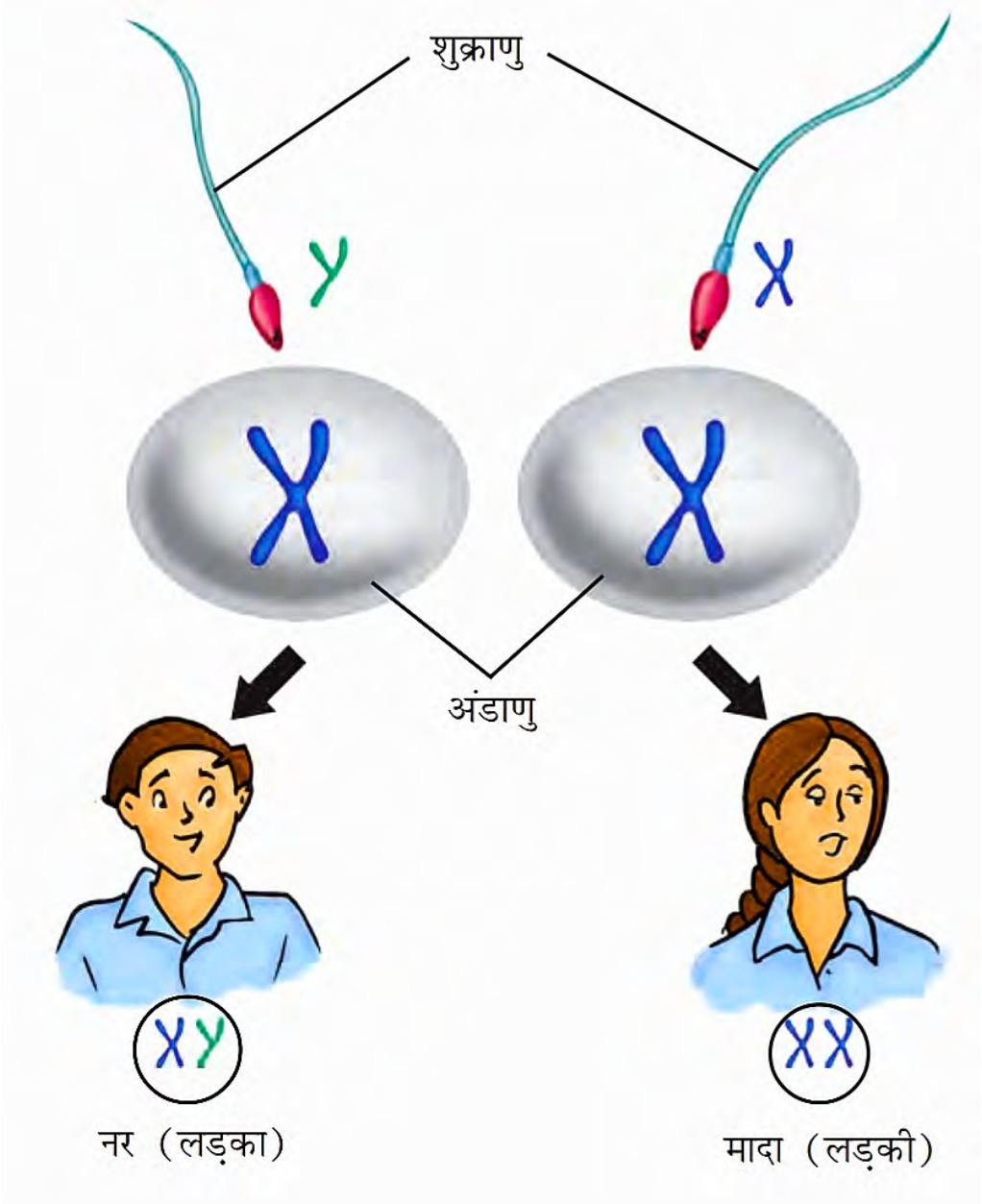

प्रश्न 5 यौवनारंभ में होने वाले परिवर्तन परिवर्तनों की सूची बनाइए

उत्तर-

- लंबाई म वृ होनी शु हो जाती है।
- शरीर की आकृति म बदलाव आना शु हो जाता है।
- र म पर वतन हो जाता है। लड़कों के अंदर ऐड ए ल उभरकर बाहर आ जाता है और लड़कियों की आवाज और तेज हो जाती ह।
- जनन अंगों का विकास हो जाता है। लड़कियों म अंडाशय के आकार म वृ हो जाती ह।
- लड़कों को दाढ़ी मूछ आने लग जाती ह।
- यौवनारंभ के साथ ही वृषण टो ेरोन या पु ष हाम न का। रंभ हो जाता है। लड़कियों म अंडाशय ए ोजन या। हाम न बनना शु हो जाता है

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 6 हमारे शरीर के होर्मोनेस के बारे में रेखाचित्र सहित वर्णन करे

उत्तर- हमारे शरीर म ब त सारी ि याएं चलती ह। उी ंम से ब त सारी ंथियां अलग-अलग हाम न उ करती ह। जो हमारे शरीर म अलग-अलग काय करते ह। चलिए जानते ह कुछ मह पूण हाम नो के बारे म।

1. **पीयूष ग्रंथि-** यह ंथियां हमारे शरीर की वृ को नियं ित करती ह। पीयूष ंथि से निकलने वाले हाम न को वृ हाम न कहते ह। यह ंथि हमारे म म पाई जाती ह। इस ंथि के सही से काम ना करने पर लंबाई या तो ा दा बढ़ जाती है या फिर नहीं बढ़ती।
2. **थायराइड ग्रंथि-** यह ंथि हमारे गले म पाई जाती ह। यह हमारी आवाज को संतुलित करने का काम करती है। इस ंथि से निकलने वाले हाम न को थायरो न कहते ह। इस ंथि के काम न करने पर गायटर नामक रोग हो जाता है। जिससे हमारा गला फूल जाता है।
3. **एड्रिनल ग्रंथि-** यह ंथि हमारे पेट के हि ं म पाई जाती है। इस ंथि से एडिनेलिन नामक हाम न बनता है। जो हमारे शरीर के ो ध, चिंता और उ ेजना को संतुलित करता है।
4. **अग्न्याशय-** यह हाम न भी हमारे पेट के हि ं म पाया जाता है। इससे इंसुलिन नामक हाम न उ होता है। जो हमारे शरीर म खाने को पचाने म सहायक होता है। इसकी वजह से डायबिटीज नामक बीमारी हो जाती है।
5. **अंडाशय** – यह ी संबंधी अंग है। इससे ए ोजन नामक हाम न उ होता है।
6. **वृषण** – यह पु ष संबंधी अंग है। इससे टे ेरोन हाम न उ होता है।